

संपादक की कलम से



सर्वदलीय बैठक जरूरी

जो जो भारत-दूत देश की नीतियों और सोच, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का संकल्प प्रस्तुत करने विदेश गए थे, वे स्वदेश लौट आए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे मुलाकात की और उनके अनुभवों को सुना। यह मुलाकात और संवाद ही लोकतंत्र की स्वामी विधिवादा है। लगभग सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के सांसद, पूर्व विदेश मंत्रियों के अलावा, वरिष्ठ राजनयिक भी विदेशों में भेजे गए थे। उन्हें भारतदूत का विशेषण दिया गया, क्योंकि वे विदेश में भारत के ही चेहरे थे। उनकी यही राष्ट्रीय पहचान थी। राजनीतिक पहचान ही चुकी थी।

ललित शर्मा
संपादक

कुल 7 प्रतिनिधि मंडलों में 59 सांसद और राजनयिक थे, जिन्होंने 33 देशों का प्रवास किया। भारत ने यह कूटनीतिक प्रयोग पहली बार किया, जो अपनी बात रखने में कामयाब रहा। किसी भी देश ने भारत का विरोध नहीं किया। यह भी तथ्य सामने आया कि संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से कमोबेश 100 देश ऐसे हैं, जिन्होंने भारत की तरह ही आतंकवाद का देश झेला है। उनमें ग्लोबल साउथ के अफ्रीकी देश भी हैं, जिनका आतंकवाद शेष विश्व ने साझा नहीं किया है, लिहाजा उन्होंने आतंकवाद पर भारत का नेतृत्व स्वीकार करने की बात कही। अमरीका समेत प्रमुख यूरोपीय देशों ने भारत के पक्ष का समर्थन किया, लेकिन देश में विभिन्न टीवी चैनलों के स्तर पर अलग ही व्याख्यान की जा रही हैं। बहरहाल बुनियादी मुद्दा पाकपरस्त आतंकवाद का था, जिसके कारण ऑपरेशन सिंदूर तक की नीबट आई। हालांकि भारत अब भी मानता है कि संघर्ष दो देशों और उनकी अलग-अलग के बीच नहीं है। वह आतंकवाद को मिट्टी में मिलाने का ऑपरेशन था। हमारे भारतदूतों ने विदेश में राजनीतिक नेतृत्व, नागरिक समाज, थिंक टैंक, उद्योग जगत के नेतृत्व और भारतीय प्रवासी समुदाय आदि से मुलाकातों की। संवाद और संघर्ष के जरिए विदेशों को खुलासा किया गया कि आतंकवाद के अहं और करीब 170 आतंकियों को मौत के घाट उतारना क्यों अनिवार्य था? यदि 9-10 मई की दरमियानी रात में युद्ध जैसे हालात बने, तो उसके लिए पाकिस्तान दोषी था, क्योंकि आतंकियों पर किए गए प्रहार को उसने पाकिस्तान के अस्तित्व पर हमला मान लिया और भारत के सैन्य तथा नागरिक टिकानों पर हवाई हमले किए। भारत को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी, नतीजतन पाकिस्तान के संवेदनशील, महत्वपूर्ण एयरबेस, रनवे, रडार एवं एयर डिफेंस सिस्टम नबाह कर दिए गए। उसके बाद कश्चित संघर्ष-विराम घोषित कर दिया गया। सैन्य कार्रवाई विराम को अब एक माह बीत चुका है, लेकिन विपक्ष अब भी वही सवाल रट रहा है- पहलवान परसंहार के आतंकी कहाँ फरार हो गए? वे अमरनाथ यात्रा के दौरान भी हमला कर सकते हैं। मोदी सरकार की विदेश नीति नाकाम साबित हुई, लिहाजा भारतदूत के रूप में विपक्षी सांसदों, नेताओं को विदेश भेजना पड़ा? संसद का माँसूस सत्र अभी काफी दूर है, लिहाजा सरकार एक ओर बार सर्वदलीय बैठक क्यों नहीं बुला लेती? आतंकवाद के मोर्चे पर अमरीका भारत और पाकिस्तान को समान महत्व के देश मानता है, क्या भारत इस कूटनीतिक को उचित मानता है? क्या अमरीका के इस रवैये का भारत को उचित, राजनयिक जवाब नहीं देना चाहिए? अमरीका की केंद्रीय कमान के कमांडर जनरल माइकल कुर्त्ला ने कहा है कि कोई बाइनरी स्थिति नहीं हो सकती कि यदि वाशिंगटन के नई दिल्ली से संबंध हैं, तो इस्लामाबाद के साथ रिश्ता नहीं हो सकता। जनरल का मानना है कि आईएसआईएस-खुरासान अमरीका समेत अन्य देशों के खिलाफ भी साजिश रचने वाले सक्रिय आतंकी संगठनों में से एक है। पाकिस्तान उसके खिलाफ लड़ाई में मदद करता है। बहरहाल वही धिसे-धिरे सवाल करने से न तो भारत ताकतवर होगा और न ही मोदी सरकार ढह जाएगी। देशक कुछ सवाल इतने जरूरी हैं कि उनके जवाब मिलने चाहिए और वह सरकार ही देगी, लेकिन उतावलेपन से क्या हासिल होगा? संसद सत्र आ रहा है। विपक्ष अपने सवाल और रणनीति तैयार कर ले, लेकिन रथाने रुकें कि सवालों की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए।

संजीव ठाकुर

बुजुर्ग वृक्ष का घना साया

कविता



आया जब भी वृक्ष का घना साया,
बुजुर्ग हाथ मेरे शीश पर हमेशा पाया।

चेहरे की सलवटे नहीं आशीष लकीरें
उनसे बच्चों का चेहरा सदा मुस्कुराया।

मैंने जब शिद्वत से उनका स्मरण किया,
जीवन को सार्थक पथ पर अपना पाया।

चेहरा मुस्कुराता उनका जब मुझे याद आया,
फिर जीवन में नहीं कभी भी जरा घबराया।

चलने से लेकर बढ़ने तक हर समय
मुशीबतों से मुझे उन्होंने सदा बचाया।

साथ हों कर लो उनकी सम्पूर्ण सेवा
पछताना मत फिर क्या खोया-पाया।

उनका अंश उनका अभिमान हो तुम,
अर्पित करो जो तुमने उनसे सारा पाया।

सुबह शाम प्रणाम नमन करो उन्हें,
जीवन तुमने उन्हीं से समूचा पाया।

बुजुर्ग माता-पिताओं को सदा मेरा नमन,
ईश्वर से पहले उनसे जीवन मेरा बनाया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित करारक ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी. राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक: ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

पति की जान की दुश्मन बनती नई नवेली दुल्हनें!



डॉ. श्रीगोपाल नारसन एडोवोकेट

शादी से पहले सोनम और राज के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। राज इंद्रौर में सोनम के पिता की प्लाईवुड फैक्ट्री में काम करता था, जहाँ दोनों की मुलाकात हुई और प्रेम प्रसंग शुरू हुआ। सोनम उम्र में राज से 5 साल बड़ी है। पुलिस के मुताबिक, सोनम के कहने पर राज ने राजा की हत्या की साजिश रची और भाड़े के हत्यारों को सुपारी दी गई।

राजा की पत्नी यानी सोनम रघुवंशी वारदात वाली जगह पर मौजूद थी और उन्होंने अपने पति को मरते हुए देखा। हत्या के चार आरोपियों ने राजा रघुवंशी की हत्या करने की बात कबूल की है। पहला वार विशाल उर्फ विक्की ठाकुर ने किया था। दूसरा कि उन्होंने कैसे राजा रघुवंशी पर हमला किया और बाद में उसकी लाश को एक गहरी खाई में फेंक दिया। क्राइम ब्रांच की जांच के अनुसार, तीन आरोपी विशाल, आकाश और आनंद ट्रेन से इंद्रौर से चले थे। वे कई ट्रेनों को बदलते हुए पहले गुवाहाटी और

एक जमाना था जब शादी के बाद दुल्हनों को ससुराल में कभी दहेज के लिए तो कभी अन्य कारणों से प्रताड़ित किया जाता था, लेकिन अब हालात विपरीत हो गए हैं, अब नई नवेली दुल्हनें अपने ही सुहाग को निपटाने में लगी हैं। ऐसी एक नही अनेक घटनाएं हो गई हैं, जिनमें पत्नियों ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर या फिर खुद ही क्रूरता की हद्दे पार कर अपनी ही पति को मौत के घाट उतार दिया है। हाल ही में मेघालय में राजा रघुवंशी की हत्या का खुलासा हो गया है। राजा की पत्नी सोनम ने ही अपने प्रेमी राज कुशवाह के साथ मिलकर पति की हत्या की योजना तैयार की थी।

फिर शिलॉन्ग पहुंचे, एसीपी यादव ने बताया सोनम का प्रेमी और सह-साजिशकर्ता राज कुशवाहा इंद्रौर में ही रुका रहा लेकिन उसने तीनों को यात्रा रुकने के लिए 40,000-50,000 रुपये दिए गए थे। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि राजा की हत्या के समय सोनम मौके पर मौजूद थीं और उन्होंने सब कुछ देखा, इधर सोनम शिलॉन्ग पहुंच चुकी है। अब उससे राजा की हत्या का राज उगलवाया जाएगा। सोनम को लगा था कि उसके भाड़े पर के किलर और प्रेमी राज कभी सोनम का सच सामने नहीं आने देंगे। अगर पुलिस की मार पड़ते ही चारों आरोपियों ने न केवल अपना जुर्म कबूला, बल्कि यह भी कह दिया कि सोनम ने कैसे अपनी आंखों के सामने अपने पति को मरवाया। मेघालय पुलिस के हॉस्पिटेशन हनीमूनहू ने इस साजिश की कई परतें उजागर की हैं, जिसमें सोनम की हत्या के समय मौके पर मौजूदगी, सुपारी किलरों के साथ उनकी मुलाकात, और जांच को भटकाने की कोशिशें शामिल हैं। इस मामले में कई चौकाने वाले अपडेट्स सामने आए, जिन्होंने इस हत्याकांड

की क्रूरता और साजिश की गहराई को और स्पष्ट किया है। सोनम अब भी यही दावा कर रही है कि उसे अगवा किया गया था, हालांकि पुलिस ने उसके दावे को खारिज कर दिया है। वहीं इस मामले में गिरफ्तार अन्य आरोपियों के कबूलनामे ने सनसनी मचा दी है। राजा रघुवंशी हत्याकांड में गिरफ्तार चार आरोपियों राज कुशवाहा, आकाश राजपूत, विशाल सिंह चौहान, और आनंद कुर्मी ने मर्डर का जुर्म स्वीकार कर लिया है। इंद्रौर क्राइम ब्रांच की सहायक पुलिस आयुक्त पूनम चंद यादव ने यह जानकारी दी है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि इन आरोपियों ने यह भी बताया कि हत्या के समय सोनम रघुवंशी भी वेई साइंग बरते के पास मौजूद थीं और उसने अपने पति राजा को मरते हुए देखा था। आरोपियों ने खुलासा किया कि सोनम ने राजा की हत्या से पहले चिल्लाकर कहा, हमार दो इसे, हू और हत्या के बाद राजा के शव को खाई में धक्का देने में उनकी मदद की। सोनम ने राजा की हत्या को लूट का रूप देने की योजना बनाई थी। वह कुछ समय तक विधवा

बनकर रहना चाहती थी, फिर अपने परिवार को राज कुशवाहा से शादी के लिए मनाने की कोशिश करती। पुलिस ने 39 सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें सोनम और तीनों सुपारी किलर शिलॉन्ग और गुवाहाटी के होटलों में दिखे। हत्या में इस्तेमाल हथियार गुवाहाटी के एक होटल के बाहर की दुकान को हथौड़ी कहकर बुलाता था राज कुशवाहा की मुलाकात दो साल पहले हुई थी। राज, जो सोनम के भाई की टाइल कंपनी में काम करता था, सोनम को हथौड़ी कहकर बुलाता था ताकि किसी को शक न हो, वहीं इन दोनों ने हत्या की योजना शादी के तीन दिन बाद बनाई गई। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस घटना को समाज के लिए सबक बताते हुए कहा, हत्यारू बहुत दुखद है। शादी में दो परिवारों के बीच सावधानी बरतनी चाहिए। बच्चों को इतनी दूर भेजने पर भी विचार करना चाहिए। राजा रघुवंशी हत्याकांड ने न सिर्फ इंद्रौर और मेघालय, बल्कि पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। सोनम रघुवंशी की गिरफ्तारी और आरोपियों के कबूलनामे ने इस साजिश की क्रूरता

को उजागर किया है। मेघालय पुलिस की तेजी और साक्ष्यों ने इस मामले को लगभग सुलझा लिया है, लेकिन सोनम के पिता के दावे और सीबीआई जांच की मांग इसमें नया मोड़ ला सकती हैं। इससे पहले भी कई ऐसे प्रेम प्रसंग के मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें शादी के बाद पति ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की या कराई है। अप्रैल के महीने में उत्तर प्रदेश के देवरिया में एक महिला ने अपने प्रेमी की मदद से अपने पति की हत्या कर दी और शव को दो टुकड़ों में काटकर टूली बैग में भरकर टिकाने लगाने की कोशिश की। 13 वर्षीय नौशदा अहमद 10 दिन पहले ही दुबई से लौटा था, मईल थाना क्षेत्र के भटौली गांव में उसके घर से करीब 55 किलोमीटर दूर तरकुलवा थाना क्षेत्र के एक खेत में उसका शव मिला। मेरठ के सौरभ हत्याकांड में भी ऐसा ही हुआ था। 13 मार्च को मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर सौरभ की हत्या कर दी। उसने शव के टुकड़े करके नीले ड्रम में सीमेंट के साथ बंद कर दिया गया था, इसके बाद दोनों घूमने निकल गए, जब वे लौटे,

तब इस हत्या का खुलासा हुआ। तब से मुस्कान और साहिल दोनों सलाखों के पीछे हैं। इसी तरह मेरठ में अमित कुमार की हत्या उसकी पत्नी रविता ने अपने प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर की। हत्या को हादसा दिखाने के लिए रविता ने अमित के शव के पास सांप रख दिया और कहा कि उसकी मौत सांप के काटने से हुई है। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सच छिप न सका, जांच में पता चला कि रविता और अमरदीप ने मिलकर अमित की गला घोटकर हत्या की थी। वहीं अप्रैल माह में बिजनौर के फारूक की हत्या कर दी गई।

फारूक सऊदी में काम करता था और गांव लौटा था। उसे पता चला कि उसकी पत्नी अमरीना का गांव के मेहरबान से प्रेम प्रसंग है। फारूक ने अमरीना की पिटाई की, जिससे नाजक होकर अमरीना ने मेहरबान के साथ मिलकर उसे मारने की साजिश रची, जिस पर मेहरबान और उसके साथी उभर कर फारूक को गोली मार कर उसकी हत्या कर दी। इन घटनाओं से अब पति भी डरे हुए हैं। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार है।)

घरेलू हिंसा का घेरा

महिलाओं के लिए उनका घर-आंगन सबसे सुरक्षित स्थान होना चाहिए। परिवार और परिवेश में अपनों का संभल मिलना चाहिए। मान-सम्मान की रक्षा होनी चाहिए। दुखद है कि भारत ही नहीं, कमोबेश हर देश में घरेलू हिंसा का दंश महिलाओं के हिस्से है। मन और मान को ठेस पहुंचाने वाले इस बर्ताव के रंग-रंग भले अलग हों, वैश्विक स्तर पर महिलाएं इस पीड़ा को झेल रही हैं। व्यक्तिगत और अस्तित्व को चोट पहुंचाने वाली घरेलू हिंसा महिलाओं के शारीरिक, मानसिक और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के लिए भी चिंता का विषय बनी हुई है। अपनी ही देहरी के भीतर स्त्रियों के साथ होने वाला हिंसात्मक व्यवहार मानवाधिकार का भी एक संवेदनशील मुद्दा है। हमारे देश में महिलाओं की बड़ी आबादी घरेलू हिंसा झेलने को विवश है। प्रगतिशील सोच और परिवर्तन की बहुत-सी बातों के बीच मानवीय व्यवहार के इस मोर्चे पर आज भी बदलाव की प्रतीक्षा है। यही कारण है कि घरेलू हिंसा की रोकथाम और पीड़ित स्त्रियों की सुरक्षा सहयोग से जुड़े विषयों की सामाजिक परिवारिक परिवेश में ही नहीं, न्यायिक निर्णयों में भी चर्चा होती रहती है।

आज भी बड़ी संख्या में महिलाएं घर के भीतर दुर्व्यवहार और मारपीट का शिकार बनती हैं। तकनीकी तरक्की और शिक्षा के बढ़ते आंकड़ों के बावजूद इस मामले में जागरूकता की कमी भी स्पष्ट दिखती है। सजग-शिक्षित महिलाएं भी अपना परिवार बचाने के लिए इस दुर्व्यवहार की शिकायत नहीं करतीं। इसीलिए घरेलू हिंसा से स्त्रियों की सुरक्षा पुख्ता करने जुड़े इस पहलू पर उच्चतम न्यायालय ने सहयोगी और सजग परिवेश बनाने की बात कही। एक

याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों को अधिनियम के प्रावधानों के बारे में जागरूकता लाने, अधिनियम के तहत सेवाओं के प्रभावी समन्वय को सुनिश्चित करने और इसके प्रावधानों का मीडिया में पर्याप्त प्रचार करने और व्यापक कदम उठाने चाहिए। विशेषकर घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत निशुल्क कानूनी सहायता और सलाह के अधिकार के बारे में महिलाओं के बीच जागरूकता फैलानी चाहिए। इन निदेशों में शीर्ष अदालत ने यह भी जोड़ा कि अगर कोई महिला कानूनी सहायता या सलाह के लिए संपर्क करती है, तो उसे शीघ्रता से सहायता प्रदान की जाए, क्योंकि अधिनियम प्रत्येक महिला को निशुल्क कानूनी सहायता के अधिकार की गारंटी देता है। हमारे परिवारों में अधिकतर बदलाव सतही स्तर पर ही हुए हैं। मानसिकता और व्यवहार के मोर्चे पर सार्थक परिवर्तन अब तक नहीं आया। ऐसे में जागरूकता की कमी और पारिवारिक दबाव घरेलू हिंसा का घेरा कसे हुए है। पिछले वर्ष राष्ट्रीय महिला आयोग को महिलाओं के खिलाफ अपराधों की 25,743 शिकायतें मिलीं थीं। इनमें सबसे अधिक 6,237 शिकायतें घरेलू हिंसा की थीं। यानी आपराधिक आंकड़ों में 24 फीसद की हिस्सेदारी घरेलू हिंसा की रही। यही वजह है कि इन शिकायतों में 'सम्मान के साथ जीने के अधिकार' की मांग वाली शिकायतें अधिक

थीं, जो कुल शिकायतों का लगभग 28 फीसद हैं। इतना ही नहीं, दहेज उत्पीड़न के मामले भी 17 फीसद रहे। समझना कठिन नहीं है कि दहेज उत्पीड़न के मामले में भी शुरूआत ही ही कई महिलाएं शारीरिक-मानसिक हिंसा झेलती ही हैं। दुखद है कि शिक्षित समाज में भी रुग्ण मानसिकता वाला यह व्यवहार महिलाओं के हिस्से है। घरेलू हिंसा का दंश भी हर समुदाय और हर वर्ग में महिलाओं के साथ हिंसक व्यवहार करने वाले शिक्षित और अशिक्षित, हर तबके के लोग हैं। भ्रम यह भी है कि केवल घरेलू हिंसा/ऐसी हिंसा और अपमान झेलती हैं। कई कामकाजी और आत्मनिर्भर स्त्रियां भी घरेलू हिंसा झेलती हैं, क्योंकि यह बर्ताव असल में नकारात्मक और अमानवीय सोच से जुड़ा है, जिसमें परिवार लाना दुष्कर कार्य बना हुआ है। स्त्रियों के मान को ठेस पहुंचाने वाली सोच में बदलाव की धीमी गति को हाल ही में आए आंकड़े भी पुख्ता करते हैं। वर्ष 2025 की पहली तिमाही में राष्ट्रीय महिला आयोग में अब तक 7,698 शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। शिकायतों की इस सूची में भी सबसे अधिक मामले घरेलू हिंसा के ही हैं। पीड़ादायक यह है कि महानगरों से लेकर गांवों-कस्बों तक, आंकड़ों में ही नहीं सहज रूप से भी सामाजिक परिवेश में इस विद्रूप व्यवहार की झलक दिख जाती है। घरेलू हिंसा का सबसे दुखद पक्ष यह कि इसे महिला को व्यक्तिगत समस्या समझा जाता है। आमतौर पर स्वजन भी यह दंश

झेलती स्त्रियों का साथ नहीं देते। परिजन चुपचाप सब कुछ सहने की नसीहत देने लगते हैं। वहीं कानूनी मोर्चे पर भी स्थितियां सहज नहीं हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह भी है कि हाल के वर्षों में सामने आए घरेलू हिंसा के झूठे आरोपों ने सचमुच इस दुर्व्यवहार की शिकार बन रही महिलाओं को भी सवालों के घेरे में ला दिया है। अधिकतर महिलाएं शिकायत दर्ज कराने के बजाय चुप्पी चुन लेती हैं। एक रपट के अनुसार हमारे देश में केवल 0.1 फीसद महिलाएं ऐसी हिंसा के खिलाफ मामला दर्ज कराने के लिए आगे आती हैं। बुनियादी रूप से देखा जाए तो यह स्त्री-पुरुष के भेद से परे हर मनुष्य के आत्मसम्मान का मोल समझने का विषय है। समझना आवश्यक है कि घर के भीतर होने वाली इस शारीरिक और मानसिक हिंसा के पीछे लैंगिक विभेद की सोच एक अहम कारण है।

भेदभाव भरी इसी सोच के चलते कई कामकाजी महिलाओं की उपलब्धियां भी इस दुर्व्यवहार का कारण बन जाती हैं। आज भी जीवन सार्थक की रूढ़िवादी सोच के चलते न तो स्त्रियों की योग्यता की सहज स्वीकार्यता दिखती है और न ही पारिवारिक स्तर पर पराए घर से आई बेटी के प्रति मान बरा व्यवहार। ऐसी हिंसा को बहुत से परिवारों में समर्थन भी मिलता है। नतीजतन, घरेलू हिंसा झेल रही स्त्रियां अक्सर अकेली पड़ जाती हैं।

ऐसे में अपनों की सोच और बर्ताव का बदलाव ही घरेलू परिस्थितियों को बदल सकता है, ताकि सम्मानजनक और सुरक्षित व्यवहार स्त्रियों के हिस्से आए। अंतर्निहित पक्षों को बदलने के दौरे में बहुत आवश्यक है कि महिलाओं के लिए अपना आंगन सुरक्षित हो।



ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति में पिता का स्थान आकाश से भी ऊंचा माना गया है, पिता की धर्म है, पिता ही संभल है, पिता ही ताकत है। पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संवेदनाओं के पुंज हैं। इसके महत्व को दर्शाने और पिता व पिता तुल्य व्यक्तियों के योगदान को सम्मान देने के लिए हर साल जून महीने के तीसरे रविवार को अंतर्राष्ट्रीय पिता दिवस यानी फादर्स डे मनाया जाता है। इस साल 15 जून 2025 को भारत समेत विश्वभर में यह दिवस मनाया जायेगा। फादर्स डे 2025 का आधिकारिक थीम ऋषिपिता: लचीलेपन का पोषण और भविष्य को आकार देना है। यह थीम हमारे जीवन में पिताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालती है, जो बच्चों में सकारात्मक भावनाओं और

पिता-पुत्र का रिश्ता बेजोड़ एवं विलक्षण है

सामाजिक विकास को बढ़ावा देते हैं। दुनिया के अलग-अलग देशों में अलग-अलग दिन और विविध परंपराओं के कारण उत्साह एवं उमंग से यह दिवस मनाया जाता है। यह एक ऐसा दिन है जिसे अपने पिता के सम्मान के लिए मनाया जाता है, साथ ही पितृत्व, पतृत्व बंधन और समाज में पिताओं के प्रभाव को भी याद किया जाता है। हिन्दू परंपरा के मुताबिक पितृ दिवस भाद्रपद महीने की सर्वपितृ अमावस्या के दिन होता है। पिता एक ऐसा शब्द जिसके बिना किसी के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। एक ऐसा पवित्र रिश्ता जिसकी तुलना किसी और रिश्ते से नहीं हो सकती। पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार है। जीवन में कोई भी पिता की जगह नहीं ले सकता। पिता अपनी संतान के सच्चे शुभचिंतक एवं हिरो भी होते हैं। सोनिया डोड जब नन्ही-सी थी, तभी उनकी मां का देहांत हो गया। पिता विलियम स्मॉट ने सोनेरो के जीवन में मां की कमी नहीं महसूस होने दी और उसे मां का भी प्यार दिया। एक दिन यूही सोनेरो के दिल में ख्याल आया कि आखिर एक दिन पिता के नाम क्यों नहीं हो सकता? इस तरह 19



जून 1910 को पहली बार फादर्स डे मनाया गया। 1924 में अमेरिकी राष्ट्रपति कैल्विन कोली ने फादर्स डे पर अपनी सहमति दी। फिर 1966 में राष्ट्रपति लिंडन जॉन्सन ने जून के तीसरे रविवार को फादर्स डे मनाने की आधिकारिक घोषणा की। पिता ही बच्चों की सुरक्षा, विकास व समृद्धि

के बारे में सोचते हैं। बावजूद बच्चों द्वारा पिता की लगातार उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं प्रताड़ना की स्थितियों बढ़ती जा रही हैं, जिन पर नियंत्रण के लिये इस दिवस की विशेष उपयोगिता एवं प्रासंगिकता है। मानवीय रिश्तों में दुनिया में सबसे बड़ा स्थान मां को दिया जाता है, लेकिन एक

बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। पिता नीम के पेड़ जैसा होता है उसके पत्ते भले ही कड़वे होते हैं पर वो छाया डंडी देता है। पिता और बच्चों का रिश्ता इस दुनिया में सबसे अलग होता है। एक तरफ पिता बच्चों को डांटते हैं, तो दूसरी तरफ बच्चों से बेहद प्रेम भी करते हैं। पिता अपने बेटे की चोट पर व्यथित होता है लेकिन उसे बेटे के सामने मजबूत बने रहना है। ताकि बेटा उसे देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों में पिता को देवतुल्य माना गया है। हमारे ग्रंथों में माता-पिता और गुरु तीनों को ही देवता माना गया है। इनकी सेवा और भक्ति में कसर रह जाए तो फिर ईश्वर की प्राप्ति संभव नहीं। और अगर हमने इनकी सेवा पूरे मन से की तो भगवान स्वयं कर्त्तव्य धर्म से बंधे भक्त के पीछे-पीछे चल पड़ते हैं। इस दिवस को मनाने के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं, परन्तु सभी का मुख्य उद्देश्य यह होता है कि वे अपने पिता के योगदान को न भूलें

और उनको अकेलेपन की कमी को महसूस न होने दें। इतिहास में अनेकों ऐसे उदाहरण हैं कि पिता की आज्ञा से भगवान श्रीराम जैसे अवतारी पुरुषों ने राजपूत त्याग कर वनों में विचरण किया, मातृ-पुत्र भक्त श्रृंगार कुमार ने अपने अन्धे माता-पिता को काँवड़ में बैठाकर चारधाम की यात्रा कराई। फिर क्यों आधुनिक समाज में पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बढ़ती जा रही हैं। आज के पिता समाज-परिवार से कट रहे हैं और सामान्यतः इस बात से सर्वाधिक दुःखी है कि जीवन का विशद अनुभव होने के बावजूद कोई उनकी राय न तो लेना चाहता है और न ही उनकी राय को महत्व देता है। समाज में अपनी एक तरह से अहमियत न समझे जाने के कारण हमारे पिता दुःखी, उपेक्षित एवं त्रासद जीवन जीने को विवश हैं। पिता को इस दुःख और कष्ट से छुटकारा दिलाना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। मां ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। मां से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। मां से स्वर्ग है मां से बैकुंठ, मां से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है।

जिले की टॉप-10 सूची में शामिल दस-दस मेधावी छात्र-छात्राओं तथा 2 रजत पदक विजेताओं का किया सम्मान

वेलकम इंडिया जितेंद्र कुमार

हाथरस। (संवाददाता) माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज हाई स्कूल इण्टरमीडिएट परीक्षा सत्र 2024-2025 में जनपद की टॉप 10 सूची में स्थान प्राप्त करने वाले 10-10 मेधावी छात्र-छात्राओं तथा जनपद की 2 रजत पदक विजेता खिलाड़ियों को कलेक्ट्रेट सभागार में सांसद अनूप वाणिज्यिक, जिला पंचायत अध्यक्ष सीमा उपाध्याय, विधायक सदर अंजुला सिंह माहौर, जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी जिलाध्यक्ष श्याम सिंह, जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय ने प्रशस्ति पत्र, प्रोत्साहन राशि, मेडल, शौकट व टैबलेट प्रदान कर सम्मानित किया एवं उज्वल भविष्य की कामना की।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में दर्शाया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, प्रधानाचार्य, अध्यापक-अध्यापिकाओं अभिभावकों एवं छात्र-छात्राओं ने मुख्यमंत्री



जी के उद्बोधन को सुना। कार्यक्रम के दौरान सांसद ने छात्र-छात्राओं द्वारा मेरिट में स्थान प्राप्त करने उनके अभिभावकों और अध्यापकों को बधाई देते हुए कहा कि छात्र-छात्राओं के भविष्य निर्माण में अभिभावकों एवं अध्यापकों का अहम योगदान होता है। उन्होंने कहा कि आपने जो यह सफलता प्राप्त की है, यह गर्व का पल है। दिमाग व शरीर के

संतुलन को बनाये रखने के लिए अपने स्वास्थ्य को ठीक रखें तथा शिक्षा के साथ अपने खान-पान व खेल-कूद के लिए भी समय निकालें। विधायक एवं जिलाध्यक्ष ने विद्यार्थियों को उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं और उनके समर्पण व परिश्रम को सराहना की। उन्होंने बताया कि हाईस्कूल में एसएसटी इंटर कॉलेज तर्सीगा से सागर,

एसएमएस इंटर कॉलेज सादाबाद से पलक पचौरी, श्री एसके गौतम इंटर कॉलेज महावलपुर सादाबाद से वैष्णवी, एसएमएसएम इंटर कॉलेज गढ़ी हरिया मिदावली सादाबाद से अमित कुमार, अंशुल, शिवानी, जेए इंटर कॉलेज रूहेरी से लवकुश शर्मा, आदर्श इंटर कॉलेज मही से सुशांत शर्मा, गुंजन, जेपीजीडी इंटर कॉलेज चंदपा से मनोज

पाठक ने जनपद की टॉप 10 की सूची में स्थान प्राप्त किया है। इसी प्रकार इण्टरमीडिएट परीक्षा में सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज हाथरस से अंकिता कौशिक, रुचित कुमार सिंह, केएल जैन इंटर कॉलेज सासनी से प्रज्वल गुप्ता, आरबीएस इंटर कॉलेज राय रोड सादाबाद से क्रिशा गौतम, एसएमएसएम इंटर कॉलेज मही से अमित कुमार, एसएमएसबीडी इंटर कॉलेज मैण्डू से ईशा, एसवीएम इंटर कॉलेज सिंघाऊ से संजू यादव, चौधरी चरण सिंह इंटर कॉलेज बनका हाथरस से राघवेंद्र, सरस्वती इंटर कॉलेज हाथरस से क्रिशा कुमार, पीबीएस इंटर कॉलेज हाथरस से पार्थ गुप्ता, अखिल कुमार इंटर कॉलेज लुटसान सासनी से अंजली शर्मा ने जनपद की टॉप 10 की सूची में स्थान प्राप्त किया है। कार्यक्रम के दौरान मुख्य विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला सूचना अधिकारी, ईडीएम, प्रधानाचार्य, अध्यापक-अध्यापिकाएं, छात्र-छात्राएं, अभिभावक, जनप्रतिनिधिगण आदि उपस्थित रहे।

हजरत पीर कमाल शाह बाबा रहमतुल्ला अलैह का 26वाँ उर्स सम्पन्न

वेलकम इंडिया

झांसी - हजरत पीर कमाल शाह बाबा रहमतुल्ला अलैह का 26वाँ उर्स बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उर्स में हजारों अकीदत मंदा ने शिरकत की एवं दरगाह पर हाजिरी देकर मुल्क में अमन चैन की दुआएं मांगी गई। दरगाह शरीफ पर दिन में कुरआन ख्वानी के साथ फातिहा एवं शाम को परचम कुशाई के बाद सभी को लंगर खिलाया गया। इस मौके पर खादिम अनीश शाह ने कहा कि देश में हिंदू मुस्लिम एकता बनाए रखें किसी भी प्रकार के कट्टर पंथी विचार धारा को देश में पनपने न दें, चाहे वो किसी भी समुदाय कि तरफ से हो। एक भारतीय नागरिक के लिए सबसे पहले उसका देश है, हमेशा अपने मुल्क को आगे बढ़ाने में सहयोग करें आगे आने वाला ल्यूहार मोहरम पर्व भी हम सबको मिलजुल कर मनाना है, एवं देश में भाईचारा बनाए रखें।



इस दौरान अकीदत मंदा द्वारा चादर पेश की गई जिसमें खास बिजौली से उर्स कमेटी की तरफ से चादर पेश की गई। एवं राजगढ़ से रसीद अंसारी द्वारा चादर पेश की गई। वहीं मशहूर कव्वालों द्वारा बेहतरीन कव्वाली पेश की गई जिसमें सभी अकीदतमंदों को झूमने को मजबूर कर दिया। इस दौरान कमेटी अध्यक्ष हरचरलाल,

उपाध्यक्ष सुबारी खान, गद्दी नशीन अनीश शाह, खादिम सोहेल मदारी, कौशल किशोर यादव प्रधान विरगुआ, हाजी निसार, जम्बार खान, शोरा पटान, शाहख खान, वसीम रजा, दिलशाद मंसूरी, अब्बार खान, निजाम, बाबू भाई, छोटे भाई मिस्त्री, मोहसिन भाई आदि लोग मौजूद रहे।

किशोरी का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म, दो विरुद्ध अभियोग दर्ज

वेलकम इंडिया

कांघला। मोहसीन रहमानी। थाना क्षेत्र के एक ईंट भट्टे पर परिवार के साथ मजदूरी करने आई एक किशोरी का दो युवकों ने अपहरण करने के बाद किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने पीड़ित पिता की तहरीर पर दोनों आरोपियों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत करते हुए किशोरी को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया है। जनपद मुजफ्फरनगर के एक गांव निवासी व्यक्ति ने थाने पर तहरीर देकर बताया कि पीड़ित अनुसूचित जाति का है और अपने परिवार सहित थाना क्षेत्र के एक ईंट भट्टे पर कच्ची ईंट की पलाई करने के लिए आया हुआ है। पीड़ित ईंट भट्टे के बनाए गए डेरे पर परिवार सहित निवास करता है। आरोप के कि गत 31 मई को पीड़ित अपने परिवार सहित

ईंट पथाई करने के लिए गया हुआ था और डेरे पर उसकी 13 वर्षीय पुत्री अकेली थी। अकेले किशोरी को देखकर दो युवकों ने उसकी पुत्री का अपहरण कर लिया और जंगल में ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। किशोरी ने घटना के संबंध में परिजनों को जानकारी दी। आरोप है के दोनों आरोपियों ने कानूनी कार्रवाई करने पर जान से मारने की भी धमकी दी है। पुलिस ने पीड़ित पिता की तहरीर पर राहुल जाट और अंकित जाट निवासी ग्राम किवाना के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत करते हुए किशोरी को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक क्षितिज कुमार सिंह का कहना है कि अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है जल्दी दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जाएगा।

मिनी मैराथन रैली को डीएम ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

वेलकम इंडिया

बागेश्वर, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मनाए जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में बृहस्पतिवार सुबह बागेश्वर में मिनी मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी आशीष भट्टाई ने तहसील परिसर से हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया। जिसमें स्कूली बच्चों, युवाओं, कर्मचारियों, अधिकारियों और आम नागरिकों ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। यह दौड़ शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरती, जिसका मुख्य उद्देश्य आम जनता के बीच योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।



इस अवसर पर जिलाधिकारी भट्टाई ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित, स्वस्थ और

उन्होंने कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बल्कि मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। जिलाधिकारी ने सभी नागरिकों से आगामी योग दिवस पर बड़ी संख्या में भाग लेने और योग को अपनाने की अपील की, साथ ही दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आग्रह किया। इस दौरान उप जिलाधिकारी मोनिका, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी निष्ठा कोहली शर्मा, प्रभारी जिला होम्योपैथिक अधिकारी डॉ. पंकज पंत, नोडल अधिकारी डॉ. एंजल पटेल क्रीड़ा अधिकारी गुंजन बाला आदि उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बल्कि मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। जिलाधिकारी ने सभी नागरिकों से आगामी योग दिवस पर बड़ी संख्या में भाग लेने और योग को अपनाने की अपील की, साथ ही दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आग्रह किया। इस दौरान उप जिलाधिकारी मोनिका, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी निष्ठा कोहली शर्मा, प्रभारी जिला होम्योपैथिक अधिकारी डॉ. पंकज पंत, नोडल अधिकारी डॉ. एंजल पटेल क्रीड़ा अधिकारी गुंजन बाला आदि उपस्थित थे।

यातायात प्रभारी द्वारा मोडिफाई साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न व काली फिल्म के विरुद्ध अभियान चलाकर किया गया जागरूक

वेलकम इंडिया

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मोना के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी यातायात अभयनाथ मिश्रा के पर्यवेक्षण में प्रभारी यातायात परमहंस ने मेंहदावल बायपास पर यातायात सुरक्षा के दृष्टिगत बृहस्पतिवार को जनमानस को यातायात जागरूकता के नियमों के बारे में जागरूक करते हुए मोडिफाई साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न, काली फिल्म व तीन सवारी के विरुद्ध अभियान चलाया गया व नियम के विरुद्ध मिलने पर नियमानुसार कार्यवाही की। साथ ही वाहन चलाते समय तीन सवारी न बैठने, बिना नम्बर प्लेट लगी वाहन न चलाने, नशे की हालत में गाड़ी न चलाने, वाहन को ओवर



स्पीड से न चलाने के साथ लोगों से अपील किया गया की वे अपने परिवार वालों एवं रिश्तेदारों तथा आसपास के लोगों को वाहन चलाते समय हेल्मेट व सीट बेल्ट के प्रयोग करने हेतु प्रेरित करने की भी अपील की।

सोशल मीडिया पर निकली पालिका परिषद के विरुद्ध अपनी भड़ास

वेलकम इंडिया

कांघला। मोहसीन रहमानी। नगर में बिजली कटौती और नगर पालिका परिषद के द्वारा जल आपूर्ति प्वांच नहीं देने पर नागरिकों में पालिका के प्रति रोष बना हुआ है। नागरिकों ने सोशल मीडिया पर पालिका के विरुद्ध अपना रोष प्रकट करते हुए जनकर भड़ास निकाली इस दौरान कई लोगों ने हाश्यों में खाली पानी की बाल्टी लेकर अपने फोटो सोशल मीडिया पर वायरल किए हैं। पालिका के द्वारा नगर में प्वांच जल पूर्ति नहीं होने पर लोगों ने पालिका अध्यक्ष सहित जिलाधिकारी को शिकायत कर निस्तारण की मांग की है। लगातार कई दिनों से भीषण गर्मी ने लोगों का बुरा हाल कर रखा है। भीषण गर्मी में बिजली कटौती और लो वोल्टेज होने के कारण लोगों को काफी परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। भीषण गर्मी नगर पालिका परिषद



के द्वारा नगर में प्वांच जल की पूर्ति नहीं दी जा रही है। जिस कारण नगर के लोगों में पालिका प्रशासन के प्रति रोष बना हुआ है। कई दिनों से लगातार नगर के लोगों ने सोशल मीडिया पर नगर पालिका परिषद के विरुद्ध अपनी भड़ास निकालते हुए अनेक तरह के कमेंट कर पालिका कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार वह लापरवाही का आरोप लगाते हुए कई

लोगों ने हाश्यों में पानी की खाली बाल्टिया लेकर अपने फोटो भी सोशल मीडिया पर वायरल किए हैं। नगर वासियों का कहना है कि उनके घरों में लगभग एक सप्ताह से पानी की पूर्ति नहीं पहुंच रही है और पालिका अध्यक्ष भेटदाव करते हुए अपने निजी नौकर से लेकर परिचितों को उकेदारी व अन्य योजनाओं का लाभ दे रहे हैं।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की नियुक्ति

वेलकम इंडिया

बागेश्वर, आगामी त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन को निष्पक्ष, स्वतंत्र और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पं.) आशीष भट्टाई ने तीनों विकासखंडों के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों के सदस्यों, प्रधानों एवं सदस्य क्षेत्र पंचायतों के निर्वाचन के लिए सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की नियुक्ति कर दी है।

बागेश्वर विकासखंड के अंतर्गत न्याय पंचायत खातीगांव के लिए सहायक कृषि अधिकारी मंजरी नेगी, रावतसेरा के लिए सखिलअउसद, केन्द्र शैलेश तिवारी, सानिउडियार के लिए कनिष्ठ अभियंता लाल नवीन सिंह डोगरा और कांडा के लिए अपर सहायक अभियंता सिंचाई राजेंद्र सिंह अधिकारी को नियुक्त किया गया है। अन्य नियुक्तियों में कांडे के लिए

कनिष्ठ अभियंता लोनिवि नेहा सिंह, गुरना के लिए कनिष्ठ अभियंता लोनिवि शैलेश सकलानी, बोहाला के लिए कनिष्ठ अभियंता लोनिवि विकास सिंह, सैंज के लिए कनिष्ठ अभियंता लोनिवि सूरज गिरि, देवलधर के लिए कनिष्ठ अभियंता लोनिवि गौरव पांडे, पंतगांव के लिए कनिष्ठ अभियंता लोनिवि मोहम्मद आरिशा, रवाडखाल के लिए कनिष्ठ अभियंता लोनिवि दिव्या वर्मा, अमसरकोट के लिए कनिष्ठ अभियंता लोनिवि राहुल सिंह, अरे के लिए कनिष्ठ अभियंता लघु डाल विजय लोनी, फलवांटी के लिए अपर सहायक अभियंता पीएमजीएसवाई सिंचाई खंड नंद किशोर जोशी, चौरा के लिए कनिष्ठ अभियंता लघु सिंचाई जितेंद्र पाल और बनलेख न्याय पंचायत के लिए कनिष्ठ अभियंता लघु डाल कैलाश चंद्र पांडे शामिल हैं। इसके अतिरिक्त कमल किशोर पंत (अपर सहायक अभियंता सिंचाई), लक्ष्मी अधिकारी (अपर सहायक अभियंता),

सेमरियावां प्रमुख के बेटे के खिलाफ सरकारी फाइलों की हेराफेरी का मुकदमा दर्ज

वेलकम इंडिया

संतकबीरनगर। विकास खंड सेमरियावां के विभिन्न गांवों के 15 परियोजनाओं के प्राक्कलन को स्वीकृति के बाद विश्वासघात कर रखने के आरोप में उज्जैन पुलिस ने ब्लाक के प्रभारी लेखाकार एवं वरिष्ठ सहायक राजीव कुमार राय की तहरीर पर वर्तमान ब्योंक प्रमुख बड़े बेटे के खिलाफ बुधवार को सुप्रीम धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रभारी लेखाकार एवं वरिष्ठ सहायक राजीव कुमार राय ने तहरीर में बताया कि तत्कालीन समय में उज्जैन सेमरियावां ब्योंक का प्रभारी लेखाकार का दायित्व दिया गया। विगत दिनों विभिन्न गांवों के करीब 15 परियोजनाओं का प्राक्कलन तत्कालीन स्वीकृति धाराओं के पश्चात वर्तमान ब्योंक प्रमुख मजहरुन्निशा के बड़े बेटे मुस्ताक

अहमद ने उनके अवलोकन के लिए फाइलों को मांगकर ले लिया था। इसमें बाल विकास परियोजना कार्यालय का मरम्मत कार्य एवं रंगाई पुताई कार्य, ग्राम पंचायत देवरिया नासिर में अतीक के घर से नौवाडिहा सरहद तक इंटरलॉकिंग कार्य, राजकीय बीज भंडार बूढ़ा खुर्द का मरम्मत कार्य, ग्राम पंचायत दुधाय के बाजार में सामुदायिक शौचालय का निर्माण कार्य, ग्राम पंचायत चमरसन में काली माता मंदिर से सार्वजनिक शौचालय तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य, ग्राम पंचायत टिहरी माफ़ी के राजस्व ग्राम नबीपुर में आंगनबाड़ी केंद्र का कायाकल्प कार्य सहित कुल 15 परियोजनाओं की फाइलें शामिल हैं। इन्होंने आज तक इन परियोजनाओं के प्राक्कलन को बार-बार मांगने के बावजूद भी नहीं उपलब्ध कराया है। जिसकी वजह से इन गांवों के विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

मेधावी छात्र छात्राओं को प्रमाणपत्र, टैबलेट, चेक व मेडिल देकर किया गया सम्मानित

वेलकम इंडिया

झांसी। जनपद में गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में आयोजित यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट और हाईस्कूल परीक्षा-2025 के मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह कार्यक्रम में मेधावियों का सम्मान किया गया। चेहरे पर खुशी और आंखों में आत्मविश्वास से लबरेज मेधावियों का नाम पुकारते ही नवीन सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गुंज उठा। प्रदेश स्तर पर केन्द्र राज्य स्तरीय बोर्ड परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान टैबलेट वितरण, 68 वीं राष्ट्रीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक रजत एवं कांस्य पदक विजेता उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री विद्यालयी

खेल पुरस्कार वितरण सहित विभिन्न नवीन भवनों के शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लोक भवन सभागार लखनऊ में संपन्न हुआ कार्यक्रम के सजीव प्रसारण को जनपद स्तर पर कलेक्ट्रेट नवीन सभागार में समस्त जन प्रतिनिधि, अधिकारी एवं मेधावी छात्र-छात्राएं और अभिभावकों ने देखा व सुना। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम अपने भीषण निकलते हुए अनेक तरह के कमेंट कर पालिका कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार वह लापरवाही का आरोप लगाते हुए कई



भी शामिल रहे। गुरुवार कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी मंत्री महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग उत्तर प्रदेश शासन श्रीमती बेबी रानी मौर्य की

अध्यक्षता में आयोजित किया गया। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के 10वीं और 12वीं में सर्वोच्च अंक पाने वाले 10-10 विद्यार्थियों को आमंत्रित कर रुपए 21,000 का सांकेतिक चेक एक

टैबलेट प्रशस्ति पत्र तथा मेडल देकर सम्मानित किया गया। प्रभारी मंत्री द्वारा जैसे ही मेधावियों को सम्मानित करना शुरू किया, पूरा हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गुंज उठा। श्रीमती बेबी

रानी मौर्य मंत्री महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग में उपस्थित मेधावी छात्र-छात्राओं, अभिभावक एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही नहीं हर क्षेत्र में ऊंची रखें

मेरिट, उन्होंने स्वास्थ्य के साथ खेलकूद पर भी ध्यान रखते हुए संगति के महत्व को बताते हुए कहा कि पढ़ने में औसत बच्चे भी अच्छी संगति में रहकर सफल हो जाते हैं। मेरिट सिर्फ शिक्षा में ही नहीं हर क्षेत्र में होनी चाहिए। जहां जहां अपना सर्वश्रेष्ठ दें। अपनी प्रतिभा और मेधावियों को विकसित करने की जिम्मेदारी आपकी खुद की है। सफलता के चार सूत्र दृढ़निश्चय, आत्मविश्वास, लगन और अथक परिश्रम हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी मुद्दुल चौधरी ने ज्ञान को बढ़ाने का मूलमंत्र देते हुए कहा कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत हों, सकारात्मक दृष्टिकोण से उनका हल निकाला जा सकता है। विद्यार्थी खुद के अंदर कौशल का विकास करें। किसी भी काम को बीच में न छोड़ें बल्कि जब

तक मंजिल न मिले बगैर रुके प्रयास करते रहें। सफलता निश्चित खदम चुसेगी। सम्मानित किए मेधावी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत ही है आपकी सच्ची दोस्त, हमारे समय में 95 प्रतिशत और उससे अधिक सर्वश्रेष्ठ दें। अपनी प्रतिभा और मेधावियों को विकसित करने की जिम्मेदारी आपकी खुद की है। सफलता के चार सूत्र दृढ़निश्चय, आत्मविश्वास, लगन और अथक परिश्रम हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी मुद्दुल चौधरी ने ज्ञान को बढ़ाने का मूलमंत्र देते हुए कहा कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत हों, सकारात्मक दृष्टिकोण से उनका हल निकाला जा सकता है। विद्यार्थी खुद के अंदर कौशल का विकास करें। किसी भी काम को बीच में न छोड़ें बल्कि जब तक मंजिल न मिले बगैर रुके प्रयास करते रहें। सफलता निश्चित खदम चुसेगी। सम्मानित किए मेधावी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत ही है आपकी सच्ची दोस्त, हमारे समय में 95 प्रतिशत और उससे अधिक सर्वश्रेष्ठ दें। अपनी प्रतिभा और मेधावियों को विकसित करने की जिम्मेदारी आपकी खुद की है। सफलता के चार सूत्र दृढ़निश्चय, आत्मविश्वास, लगन और अथक परिश्रम हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी मुद्दुल चौधरी ने ज्ञान को बढ़ाने का मूलमंत्र देते हुए कहा कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत हों, सकारात्मक दृष्टिकोण से उनका हल निकाला जा सकता है। विद्यार्थी खुद के अंदर कौशल का विकास करें। किसी भी काम को बीच में न छोड़ें बल्कि जब तक मंजिल न मिले बगैर रुके प्रयास करते रहें। सफलता निश्चित खदम चुसेगी। सम्मानित किए मेधावी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत ही है आपकी सच्ची दोस्त, हमारे समय में 95 प्रतिशत और उससे अधिक सर्वश्रेष्ठ दें। अपनी प्रतिभा और मेधावियों को विकसित करने की जिम्मेदारी आपकी खुद की है। सफलता के चार सूत्र दृढ़निश्चय, आत्मविश्वास, लगन और अथक परिश्रम हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी मुद्दुल चौधरी ने ज्ञान को बढ़ाने का मूलमंत्र देते हुए कहा कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत हों, सकारात्मक दृष्टिकोण से उनका हल निकाला जा सकता है। विद्यार्थी खुद के अंदर कौशल का विकास करें। किसी भी काम को बीच में न छोड़ें बल्कि जब तक मंजिल न मिले बगैर रुके प्रयास करते रहें। सफलता निश्चित खदम चुसेगी। सम्मानित किए मेधावी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत ही है आपकी सच्ची दोस्त, हमारे समय में 95 प्रतिशत और उससे अधिक सर्वश्रेष्ठ दें। अपनी प्रतिभा और मेधावियों को विकसित करने की जिम्मेदारी आपकी खुद की है। सफलता के चार सूत्र दृढ़निश्चय, आत्मविश्वास, लगन और अथक परिश्रम हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी मुद्दुल चौधरी ने ज्ञान को बढ़ाने का मूलमंत्र देते हुए कहा कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत हों, सकारात्मक दृष्टिकोण से उनका हल निकाला जा सकता है। विद्यार्थी खुद के अंदर कौशल का विकास करें। किसी भी काम को बीच में न छोड़ें बल्कि जब तक मंजिल न मिले बगैर रुके प्रयास करते रहें। सफलता निश्चित खदम चुसेगी। सम्मानित किए मेधावी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत ही है आपकी सच्ची दोस्त, हमारे समय में 95 प्रतिशत और उससे अधिक सर्वश्रेष्ठ दें। अपनी प्रतिभा और मेधावियों को विकसित करने की जिम्मेदारी आपकी खुद की है। सफलता के चार सूत्र दृढ़निश्चय, आत्मविश्वास, लगन और अथक परिश्रम हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी मुद्दुल चौधरी ने ज्ञान को बढ़ाने का मूलमंत्र देते हुए कहा कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत हों, सकारात्मक दृष्टिकोण से उनका हल निकाला जा सकता है। विद्यार्थी खुद के अंदर कौशल का विकास करें। किसी भी काम को बीच में न छोड़ें बल्कि जब तक मंजिल न मिले बगैर रुके प्रयास करते रहें। सफलता निश्चित खदम चुसेगी। सम्मानित किए मेधावी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत ही है आपकी सच्ची दोस्त, हमारे समय में 95 प्रतिशत और उससे अधिक सर्वश्रेष्ठ दें। अपनी प्रतिभा और मेधावियों को विकसित करने की जिम्मेदारी आपकी खुद की है। सफलता के चार सूत्र दृढ़निश्चय, आत्मविश्वास, लगन और अथक परिश्रम हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी मुद्दुल चौधरी ने ज्ञान को बढ़ाने का मूलमंत्र देते हुए कहा कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत हों, सकारात्मक दृष्टिकोण से उनका हल निकाला जा सकता है। विद्यार्थी खुद के अंदर कौशल का विकास करें। किसी भी काम को बीच में न छोड़ें बल्कि जब तक मंजिल न मिले बगैर रुके प्रयास करते रहें। सफलता निश्चित खदम चुसेगी। सम्मानित किए मेधावी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत ही है आपकी सच्ची दोस्त, हमारे समय में 95 प्रतिशत और उससे अधिक सर्वश्रेष्ठ दें। अपनी प्रतिभा और मेधावियों को विकसित करने की जिम्मेदारी आपकी खुद की है। सफलता के चार सूत्र दृढ़निश्चय, आत्मविश्वास, लगन और अथक परिश्रम हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी मुद्दुल चौधरी ने ज्ञान को बढ़ाने का मूलमंत्र देते हुए कहा कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत हों, सकारात्मक दृष्टिकोण से उनका हल निकाला जा सकता है। विद्यार्थी खुद के अंदर कौशल का विकास करें। किसी भी काम को बीच में न छोड़ें बल्कि जब तक मंजिल न मिले बगैर रुके प्रयास करते रहें। सफलता निश्चित खदम चुसेगी। सम्मानित किए मेधावी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत ही है आपकी सच्ची दोस्त, हमारे समय में 95 प्रतिशत और उससे अधिक सर्वश्रेष्ठ दें। अपनी प्रतिभा और मेधावियों को विकसित करने की जिम्मेदारी आपकी खुद की है। सफलता के चार सूत्र दृढ़निश्चय, आत्मविश्वास, लगन और अथक परिश्रम हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी मुद्दुल चौधरी ने ज्ञान को बढ़ाने का मूलमंत्र देते हुए कहा कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत हों, सकारात्मक दृष्टिकोण से उनका हल निकाला जा सकता है। विद्यार्थी खुद के अंदर कौशल का विकास करें। किसी भी काम को बीच में न छोड़ें बल्कि जब तक मंजिल न मिले बगैर रुके प्रयास करते रहें। सफलता निश्चित खदम चुसेगी। सम्मानित किए मेधावी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत ही है आपकी सच्ची दोस्त, हमारे समय में 95 प्रतिशत और उससे अधिक सर्वश्रेष्ठ दें। अपनी प्रतिभा और मेधावियों को विकसित करने की जिम्मेदारी आपकी खुद की है। सफलता के चार सूत्र दृढ़निश्चय, आत्मविश्वास, लगन और अथक परिश्रम हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी मुद्दुल चौधरी ने ज्ञान को बढ़ाने का मूलमंत्र देते हुए कहा कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत हों, सकारात्मक दृष्टिकोण से उनका हल निकाला जा सकता है। विद्यार्थी खुद के अंदर कौशल का विकास करें। किसी भी काम को बीच में न छोड़ें बल्कि जब तक मंजिल न मिले बगैर रुके प्रयास करते रहें। सफलता निश्चित खदम चुसेगी। सम्मानित किए मेधावी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत ही है आपकी सच्ची दोस्त, हमारे समय में 95 प्रतिशत और उससे अधिक सर्वश्रेष्ठ दें। अपनी प्रतिभा और मेधावियों को विकसित करने की जिम्मेदारी आपकी खुद की है। सफलता के चार सूत्र दृढ़निश्चय, आत्मविश्वास, लगन और अथक परिश्रम हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी मुद्दुल चौधरी ने ज्ञान को बढ़ाने का मूलमंत्र देते हुए कहा कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत हों, सकारात्मक दृष्टिकोण से उनका हल निकाला जा सकता है। विद्यार्थी खुद के अंदर कौशल का विकास करें। किसी भी काम को बीच में न छोड़ें बल्कि जब तक मंजिल न मिले बगैर रुके प्रयास करते रहें। सफलता निश्चित खदम चुसेगी। सम्मानित किए मेधावी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत ही है आपकी सच्ची दोस्त, हमारे समय में 95 प्रतिशत और उससे अधिक सर्वश्रेष्ठ दें। अपनी प्रतिभा और मेधावियों को विकसित करने की जिम्मेदारी आपकी खुद की है। सफलता के चार सूत्र दृढ़निश्चय, आत्मविश्वास, लगन और अथक परिश्रम हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी मुद्दुल चौधरी ने ज्ञान को बढ़ाने का मूलमंत्र देते हुए कहा कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत हों, सकारात्मक दृष्टिकोण से उनका हल निकाला जा सकता है। विद्यार्थी खुद के अंदर कौशल का विकास करें। किसी भी काम को बीच में न छोड़ें बल्कि जब तक मंजिल न मिले बगैर रुके प्रयास करते रहें। सफलता निश्चित खदम चुसेगी। सम्मानित किए मेधावी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत ही है आपकी सच्ची दोस्त, हमारे समय में 95 प्रतिशत और उससे अधिक सर्वश्रेष्ठ दें। अपनी प्रतिभा और मेधावियों को विकसित करने की जिम्मेदारी आपकी खुद की है। सफलता के चार सूत्र दृढ़निश्चय, आत्मविश्वास, लगन और अथक परिश्रम हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी मुद्दुल चौधरी ने ज्ञान को बढ़ाने का मूलमंत्र देते हुए कहा कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत हों, सकारात्मक दृष्टिकोण से उनका हल निकाला जा सकता है। विद्यार्थी खुद के अंदर कौशल का विकास करें। किसी भी काम को बीच में न छोड़ें बल्कि जब तक मंजिल न मिले बगैर रुके प्रयास करते रहें। सफलता निश्चित खदम चुसेगी। सम्मानित किए मेधावी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत ही है आपकी सच्ची दोस्त, हमारे समय में 95 प्रतिशत और उससे अधिक सर्वश्रेष्ठ दें। अपनी प्रतिभा और मेधावियों को विकसित करने की जिम्मेदारी आपकी खुद की है। सफलता के चार सूत्र दृढ़निश्चय, आत्मविश्वास, लगन और अथक परिश्रम हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी मुद्दुल चौधरी ने ज्ञान को बढ़ाने का मूलमंत्र देते हुए कहा कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत हों, सकारात्मक दृष्टिकोण से उनका हल निकाला जा सकता है। विद्यार्थी खुद के अंदर कौशल का विकास करें। किसी भी काम को बीच में न छोड़ें बल्कि जब तक मंजिल न मिले बगैर रुके प्रयास करते रहें। सफलता निश्चित खदम चुसेगी। सम्मानित किए मेधावी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत ही है आपकी सच्ची दोस्त, हमारे समय में 95 प्रतिशत और उससे अधिक सर्वश्रेष्ठ दें। अपनी प्रतिभा और मेधावियों को विकसित करने की जिम्मेदारी आपकी खुद की है। सफलता के चार सूत्र दृढ़निश्चय, आत्मविश्वास, लगन और अथक परिश्रम हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी मुद्दुल चौधरी ने ज्ञान को बढ़ाने का मूलमंत्र देते हुए कहा कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत हों, सकारात्मक दृष्टिकोण से उनका हल निकाला जा सकता है। विद्यार्थी खुद के अंदर कौशल का विकास करें। किसी भी काम को बीच में न छोड़ें बल्कि जब तक मंजिल न मिले बगैर रुके प्रयास करते रहें। सफलता निश्चित खदम चुसेगी। सम्मानित किए मेधावी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत ही है आपकी सच्ची दोस्त, हमारे समय में 95 प्रतिशत और उससे अधिक सर्वश्रेष्ठ दें। अपनी प्रतिभा और मेधावियों को विकसित करने की जिम्मेदारी आपकी खुद की है। सफलता के चार सूत्र दृढ़निश्चय, आत्मविश्वास, लगन और अथक परिश्रम हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी मुद्दुल चौधरी ने ज्ञान को बढ़ाने का मूलमंत्र देते हुए कहा कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत हों, सकारात्मक दृष्टिकोण से उनका हल निकाला जा सकता है। विद्यार्थी खुद के अंदर कौशल का विकास करें। किसी भी काम को बीच में न छोड़ें बल्कि जब तक मंजिल न मिले बगैर रुके प्रयास करते रहें। सफलता निश्चित खदम चुसेगी। सम्मानित किए मेधावी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत ही है आपकी सच्ची दोस्त, हमारे समय में 95 प्रतिशत और उससे अधिक सर्वश्रेष्ठ दें। अपनी प्रतिभा और मेधावियों को विकसित करने की जिम्मेदारी आपकी खुद की है। सफलता के चार सूत्र दृढ़निश्चय, आत्मविश्वास, लगन और अथक परिश्रम हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी मुद्दु

पूर्व मानसून तैयारियों को लेकर जीएम जलकल का व्यापक निरीक्षण

संवाददाता समर्थ कुमार सक्सेना

लखनऊ। बरसात से पहले शहर में जलभराव की समस्या न हो, इसके लिए जलकल विभाग ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। गुरुवार को जलकल विभाग के महाप्रबंधक (जीएम) कुलदीप सिंह ने जल-3 के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर सीवर सफाई कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के मुख्य बिंदु जीएम जलकल ने पुरनिया क्रासिंग, जानकीपुरम तृतीय वार्ड की नहर रोड, शुक्ला चौराहा और मनकामेश्वर वार्ड के नदवा रोड क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी सीवर लाइनों की सफाई समयबद्ध तरीके से की जाए

और सुपर सकर मशीन के माध्यम से सीवर की गहराई तक सफाई सुनिश्चित कराई जाए। अधिकारियों को निर्देश जीएम जलकल ने मौके पर मौजूद अधिशासी अभियंता जोन-3 सचिन सिंह यादव, जेई अरुण सिंह और अन्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभाग को प्राथमिकता है कि आने वाले दिनों में कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। इसलिए सीवर की नियमित निगरानी और समय पर सफाई बेहद आवश्यक है। निरीक्षण में मौजूद रहे अधिकारी निरीक्षण अभियान में स्वेज इंडिया के डायरेक्टर राजेश मटपाल, जलकल विभाग के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे।



दो गांवों को अलग ग्राम पंचायत का दर्जा दिलाने के लिए खुली बैठक



वेलकम इंडिया

कांथला। मोहसिन रहमानी। विकासखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत गंगेरू के मजरा गढ़ी दौलत व गढ़ी श्याम को अलग ग्राम पंचायत का दर्जा दिलाने के लिए पंचायती राज विभाग के तत्वाधान में खुली बैठक आयोजित की गई। ग्रामीणों ने हाथ

उठाकर समर्थन किया। ग्राम प्रधान और सचिव ने सर्वसम्मति से पारित होने पर शासन को अपनी रिपोर्ट भेजी। इस दौरान पूर्व प्रधान, प्रधान प्रत्याशी सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे। विकासखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत गंगेरू के चार मजरे हैं, गढ़ी दौलत, गढ़ी श्याम, गढ़ी रक्खा, गढ़ी मियां, कई वर्षों से ग्रामीण गढ़ी दौलत

और गढ़ी श्याम को ग्राम पंचायत का अलग दर्जा दिलाने की मांग कर रहे हैं। गुरुवार को अपनी रिपोर्ट विद्यालय में पंचायती राज विभाग के तत्वाधान में खुली बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्राम पंचायत गंगेरू के मजरा गढ़ी दौलत और गढ़ी श्याम को अलग ग्राम पंचायत का दर्जा दिलाने की मांग की गई।

ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

मिजामुराद। क्षेत्र के रखीना गांव काशी का पाही के पास गुरुवार की सुबह वाराणसी से प्रयागराज जा रही एक पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आने से रेलवे पट्टी क्रॉस कर रहे वृद्ध की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार राजातालाब थाना क्षेत्र के महगांव निवासी राममूरत पटेल उम्र (65) वर्ष सुबह घर से राशनकार्ड इंटी कराने के लिए जा थे उसी समय वाराणसी से प्रयागराज जा रही एक पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आने से राममूरत की दर्दनाक मौत हो गई। ग्रामीणों द्वारा रेलवे द्वारा घटना की सूचना मिजामुराद पुलिस को दिया गया। सूचना पर मौके पर पहुंचे खजुरी चौकी प्रभारी प्रीतम तिवारी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजने के साथ ही घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दिया। मृतक घर पर रहकर ही खेती किसानी करता था। मृतक चार पुत्रों का पिता बताया गया तीन पुत्र बाहर रहकर नौकरी करते हैं सबसे छोटा पुत्र घर पर रहता है। मृतक के छोटे पुत्र मुकेश पटेल व पत्नी कलावती देवी का रो-रोकर बुरा हाल रहा।

63 केबीए का जला ट्रांसफार्मर, गर्मी में संकट

मिजामुराद। क्षेत्र के रामसिंहपुर गांव गुरुवार की सुबह 63 केबीए का विद्युत ट्रांसफार्मर जल गया जिसके चलते गांव की बिजली आपूर्ति टप हो गया है। ग्रामीणों द्वारा बिजली विभाग के एसडीओ और जेई को कई बार फोन किया गया लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि फोन नही उठा जिसके बाद बिजली विभाग के पोर्टल पर गांव के दिनेश सिंह द्वारा ऑनलाइन शिकायत दर्ज करवाया गया। ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण गांव के इस तपती गर्मी में कूलर पंखा न चलने के कारण लोग काफी परेशान रहे वहीं ग्रामीणों के सामने सबसे बड़ी समस्या पानी के लिए बना हुआ है। ग्रामीणों द्वारा कहा गया कि अगर समय से ट्रांसफार्मर नही बदला गया तो ग्रामीण आंदोलन के लिए विवश होंगे।

सीएम योगी ने लखनऊ से बढ़ाया होनहारों का हौसला



वेलकम इंडिया/चरन सिंह

बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित लोक भवन में आयोजित भव्य समारोह में प्रदेश भर के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा-2025 में टॉप करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस दौरान बरेली जिले के तीन मेधावी छात्र-छात्राओं को भी मंच पर बुलाकर प्रशस्ति पत्र, मेडल और

टैबलेट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण बरेली के विकास भवन स्थित सभागार में किया गया, जहां जिले के अन्य टॉपर्स को स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में बरेली के सांसद छत्रपाल गंगवार, महापौर डॉ. उमेश गौतम, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल समेत जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

इन जनप्रतिनिधियों ने जिले के टॉप करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, टैबलेट और स्मृति चिन्ह भेंट कर उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इसी दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में राष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। सांसद छत्रपाल गंगवार ने कहा कि इस वर्ष हाईस्कूल और इंटरमीडिएट में बालिकाओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते

हुए बालकों से बेहतर परिणाम दिए हैं। यह दर्शाता है कि बेटियां आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल छात्रों के लिए ही नहीं, बल्कि उनके माता-पिता और शिक्षकों के लिए भी गर्व की बात है। सम्मान प्राप्त कर मेधावियों और उनके परिजनों के चेहरे प्रसन्नता से खिल उठे। कार्यक्रम स्थल पर तालियों की गूंज और उत्साह का माहौल बना रहा।

बोलेरो के धक्के से मजदूर की मौत, परिवार में कोहराम



वेलकम इंडिया

मिजामुराद। क्षेत्र के बिहड़ा गांव (मिजामुराद) हाइवे के सर्विस लेन पर बुधवार की रात पैदल घर जा रहे बिहड़ा गांव निवासी राजू बिन्दु उम्र (33) वर्ष पुत्र स्व मेवालाल को रो-रोकर बुरा हाल रहा। कछवारा रोड चौकी प्रभारी गणेश पटेल ने बताया कि घटना की सूचना मिली थी जबतक पुलिस मौके पर पहुंच कर परिजन युवक को अस्पताल लेकर चले गए थे जहां उसकी मौत हो गई। तहरीर मिलने पर बोलेरो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई किया जाएगा।

को बीएचयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। ट्रॉमा सेंटर पहुंचे ही युवक की ही मौत हो गई। मृतक युवक मजदूरी करके अपना परिवार चलाता था। मृतक को दो पुत्री बताई गई। घटना की सूचना मिलते ही मृतक की पत्नी आरती देवी समेत परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। कछवारा रोड चौकी प्रभारी गणेश पटेल ने बताया कि घटना की सूचना मिली थी जबतक पुलिस मौके पर पहुंच कर परिजन युवक को अस्पताल लेकर चले गए थे जहां उसकी मौत हो गई। तहरीर मिलने पर बोलेरो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई किया जाएगा।

सपा के पीडीए की हवा निकाल देंगे मुसलमान, मुलायम मुस्लिम हितैषी और अखिलेश है स्वार्थी: मौलाना शहाबुद्दीन

वेलकम इंडिया/चरन सिंह

बरेली। समाजवादी पार्टी के पीडीए फामूल को लेकर ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सपा के पीडीए फामूल में मुसलमानों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया गया है, जबकि मंच से बोलते समय अखिलेश यादव मुस्लिम समाज का जिक्र तक नहीं करते। वहीं जब वह बंद कमरे में मुस्लिम नेताओं से मुलाकात करते हैं, तो मुसलमान शब्द का बार-बार इस्तेमाल करते हैं। इससे साबित होता है कि उनके दो चेहरे हैं और ऐसा व्यक्ति किसी भी वर्ग के लिए हितकारी नहीं हो सकता। मौलाना रजवी ने कहा कि मुसलमान सिंह यादव की सपा और अखिलेश यादव की सपा में बड़ा फर्क है। मुलायम सिंह यादव मुसलमानों के सच्चे हितैषी थे। वह जो बात बंद कमरे में कहते थे, वही जनता के सामने भी



दोहराते थे। उन्होंने हमेशा मुस्लिम धर्मगुरुओं को सम्मान दिया और उनकी समस्याओं पर ध्यान दिया। वहीं, अखिलेश यादव मुस्लिम मुद्दों पर चुपपी साधे रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा अध्यक्ष न तो लोकसभा और न ही विधानसभा में मुस्लिम समाज के मुद्दों पर कभी खुलकर बोले हैं और न ही उनके समाधान की दिशा में कोई प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव मुस्लिम जनप्रतिनिधियों और धर्मगुरुओं से दूरी बनाकर रखते हैं।

उन्हें मुस्लिम समाज के दुःख-दर्द से कोई लेना-देना नहीं है। इसलिए अब मुसलमान उन्हें अपना हमदर्द नहीं मानते। मौलाना रजवी ने भाजपा को लेकर भी अहम बयान दिया। उन्होंने कहा कि मुसलमान भाजपा में इसलिए शामिल नहीं होता क्योंकि पार्टी के कुछ नेता आए दिन मुस्लिम विरोधी बयानबाजी करते हैं। अगर भाजपा ऐसे बयानों पर अंकुश लगाए और मुसलमानों के लिए अपने दरवाजे खोले, तो मुस्लिम समाज भाजपा के साथ जुड़ने पर विचार कर सकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की कई योजनाओं का लाभ वहीं पर उसने भंडारण भी कर रखा है। इनमें मुसलमान भी शामिल हैं। कई योजनाएं ऐसी हैं जिनकी सराहना अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी हो रही है। उन्होंने कहा कि सिर्फ हिंदुत्ववादी नजरिए से देश नहीं चलाया जा सकता। सभी वर्गों को साथ लेकर चलना ही लोकतंत्र की सच्ची पहचान है।

बरेली में दो साल बाद कोरोना की दस्तक

वेलकम इंडिया/चरन सिंह

बरेली। दो साल तक कोरोना से पूरी तरह सुरक्षित रहे बरेली में एक बार फिर वायरस ने दस्तक दी है। पंजाब से लौटे एजाजगार गौटिया निवासी युवक की कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। युवक ने 5 जून को पंजाब में जांच कराई थी, जिसमें वह संक्रमित पाया गया। जैसे ही सूचना बरेली पहुंची, स्वास्थ्य महकमे की सांघें धम गईं। आनन-फानन में युवक की तलाश शुरू हुई। काफ़ी खोजबीन के बाद भी स्वास्थ्य विभाग की टीम युवक को नहीं खोज पाई। उधर युवक खुद जिला अस्पताल में प्रकट हो गया और अपनी रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग के अफसरों के हवाले कर दी। आईडीएसपी सेल प्रभारी ने बताया कि रिपोर्ट निगेटिव पाई गई है। पहले युवक ने फोन पर खुद को पीलीभीत,

पूरनपुर निवासी बताया और इसके बाद मौबइल रिवच ऑफ कर लिया। स्वास्थ्य विभाग ने आधार कार्ड की मदद से जब उसके असली पते की जानकारी निकाली तो एजाजगार गौटिया, बारादरी का पता मिला। टीम मौके पर पहुंची, लेकिन स्पष्ट पता न होने की वजह से युवक का घर नहीं खोज सकी। इस बीच युववार को युवक खुद स्वास्थ्य विभाग के अफसरों के पास पहुंचा और अपनी नई रिपोर्ट सौंप दी, जिसमें वह निगेटिव निकला। इसके बाद अधिकारियों ने राहत की सांस ली। आईडीएसपी सेल प्रभारी डॉ. मौसम अब्बास ने बताया कि युवक पंजाब में मजदूरी करता था और वहीं पर जांच कराई थी। पॉजिटिव आने के बाद बिना किसी जानकारी से लौट आया। अब निगेटिव रिपोर्ट सामने आने के बाद संक्रमण का खतरा फिलहाल उलट गया है, लेकिन विभाग अलर्ट मोड पर है।

पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी के जहाज हादसे में मौत की सूचना पर भाजपाइयों ने शोक श्रद्धांजलि दी



वेलकम इंडिया

मिजामुराद। कछवारा रोड अंडरपास के समीप गुरुवार की देर शाम भाजपाइयों ने एक शोक सभा का आयोजन किया। जिसमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री रहे विजय रुपाणी की

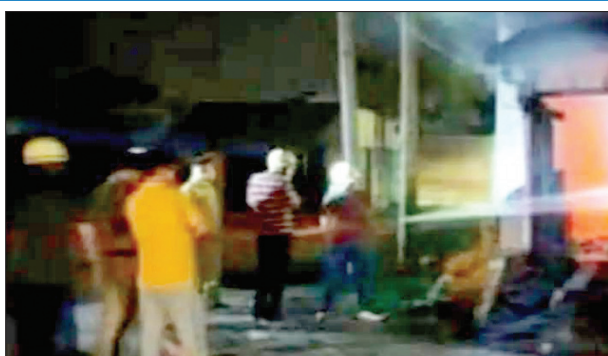
जहाज हादसे में मौत होने के बाद भाजपाइयों ने श्रद्धांजलि दी। वहीं जहाज हादसे में मृतक यात्रियों के लिए व विजय रुपाणी के चित्र पर फूल चढ़ाकर मोमबत्ती जलाने के साथ दो मिन्ट का मौन रखकर शोक व्यक्त करने के साथ मोमबत्ती

जलाकर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के सेवापुरी मंडल के पूर्व उपाध्यक्ष अर्जुन गुप्ता, मंडल उपाध्यक्ष हरिश्चंद्र विश्वकर्मा, रूपेश केसरी, अनिल केसरी, अमित गुप्ता, दिनेश पटेल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बढ़ाव में अवैध पटाखा फैक्ट्री में धमाका

वेलकम इंडिया/चरन सिंह

बढ़ाव। कुंवरगांव होली चौक स्थित एक मकान में बुधवार रात अवैध रूप से रखे गए पटाखों में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। रात करीब 10 बजे हुए धमाकों से इलाका दहल उठा। मकान में आग लगते ही वहां मौजूद परिवार जान बचाकर पड़ोसी की छत पर कूद गया। सूचना पर फायर ब्रिगेड और पुलिस मौके पर पहुंची। लगभग डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग रईस पुत्र अब्दुल लतीफ के मकान में लगी, जिनके पास पटाखा बनाने का लाइसेंस तो है, लेकिन जहां धमाका हुआ, वहां लाइसेंस नहीं था। रईस के घर के नीचे जूते-चप्पलों की दुकानें थीं, जबकि



ऊपरी मंजिल पर परिवार रहता था। बताया गया कि रईस पिछले कुछ दिनों से घर में ही पटाखा बना रहा था और वहां पर उसने भंडारण भी कर रखा था। धमाके इतने तेज थे कि आसपास के मकानों की छिड़कियां तक हिल गईं। आग की लपटें देख आसपास के

गैरकानूनी था। फायर ब्रिगेड को मकान की दीवार तोड़कर आग बुझानी पड़ी। हादसे में एक बाइक और घर का सामान जलकर राख हो गया, हालांकि किसी की जान नहीं गई। रईस का पुत्रवैनी धंधा पटाखा बनाता है। पहले यह लाइसेंस उसके पिता अब्दुल के नाम पर था। अब रईस इसे चला रहा है। लाइसेंस के मुताबिक गोदाम छबरा पुलिया के पास है जो मकान से करीब एक किलोमीटर दूर है, लेकिन उसने नियमों को दरकिनार कर घर में ही पटाखे जमा कर रखे थे। पुलिस और प्रशासन ने मौके पर जांच शुरू कर दी है। आग लगने की असली वजह और नियम उल्लंघन की पुष्टि जांच के बाद होगी। फिलहाल क्षेत्रवासियों में दहशत बनी हुई है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के दौरान ग्रामसभाओं में किसानों को किया गया जागरूक

विजय द्विवेदी वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। विकसित कृषि संकल्प अभियान-2025 दिनांक 29.05.2025 से 12.06.2025 तक आयोजन किया जा रहा है जिसके क्रम में आज विकास खण्ड रामपुर संग्रामगढ़ के ग्राम सभा बाजियापत, कसबलतीफपुर, बलियापुर, विकास खण्ड लालगंज के ग्राम सभा उधरनपुर, गौखरी, सरायजगतसिंह विकास खण्ड कालाकांकर के ग्राम सभा मिरगड़वा, साहबाबाद एवं बझाभीट कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राविधिक



सहायक ग्रुप0-बी0, प्राविधिक सहायक ग्रुप0-सी0, राजकीय कृषि बीज भण्डार प्रभारी तथा बी0टी0एम0/ए0टी0एम0 एवं जनप्रतिनिधि में सम्बन्धित ग्राम प्रधान

ह्विकसित कृषि संकल्प अभियान-2025 का किसानों की फार्मर रजिस्ट्री की गयी तथा फार्मर रजिस्ट्री के बारे में जानकारी दी गयी। किसानों को सम्बन्धित करते हुए

भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हित में चलाये जा रहे योजनाओं का लाभ उठाकर किसान न अपनी आय दोगुनी कर सकते हैं बल्कि किसी को लाभकारी व्यवसाय में बदल सकते हैं। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ0 एन0के0सिंह, डॉ0 प्रदीप कुमार सिंह, डॉ0पी0के0 सिंह, डॉ0 ए0के0 सिंह, डॉ0 प्रेसजीत देवनाथ, डॉ0 एम0पी0 सिंह एवं डॉ0 यतेश कुमार द्वारा कृषकों पशुपालन एवं खरीफ में धान की सीधी बुवाई के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। नवीनतम खेती करने की जानकारी दी गयी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा साक्षरता शिविर का आयोजन किया

वेलकम इंडिया

मोदीनगर, (अनिल वशिष्ठ)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव द्वारा तहसील मोदीनगर में सुनी गई जन समस्याएं। थानों में भी बैठेंगे पैनल अधिवक्ता, कुमार मिताक्षर सचिव, अपर जिला जज गाजियाबाद। महिलाओं व छात्राओं का हुआ उन्नीड़न तो पुलिस करेगी प्राथमिकता दर्ज, संजय मुदगल पैनल अधिवक्ता। मोदीनगर-उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश पर जिला जज आशीष गर्ग अध्यक्ष जनपद न्यायधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के नियंत्रण कुमार मिताक्षर सचिव, अपर जिला जज, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के आदेश की देखरेख में तहसील मोदीनगर, में साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का संचालन संजय मुदगल ने किया तथा शिविर की अध्यक्षता कुमार मिताक्षर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के द्वारा किया गया। जिसमें जनता की समस्याएं सुनी गयीं और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये गये कि अगर कोई भी महिला प्रार्थना पत्र



देती है तो वह थाने व पिक बूथ में प्राथमिकता दर्ज होनी चाहिए। पैनल अधिवक्ता संजय मुदगल द्वारा बताया गया विद्वान्मय पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन, पारिवारिक लाभ, महिलाओं व छात्राओं के कानूनी अधिकार व जमीन सम्बन्धित समस्याएं, व सोशल मिडिया की जानकारी दी गयी। उपजिलाधिकारी मोदीनगर निखिल चक्रवर्ती व तहसीलदार मोदीनगर रजत सिंह, वन

स्टॉप सेक्टर इन्चार्ज दिपाली, पैनल अधिवक्ता संगीता व पैनल अधिवक्ता संजय मुदगल ने बताया की सरकार द्वारा चलायी जा रही अनेकों योजनाओं के विषय में महिलाओं के कानूनी अधिकार की जानकारी दी। अगर किसी भी महिलाओं व छात्राओं को कोई भी परेशानी हो तो इसकी शिकायत आप वन स्टॉप सेक्टर यूनिट-2 मोदीनगर व पिक बूथ मोदीनगर, मुरादनगर, भोजपुर,

निवाडी व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद कार्यालय में कर सकते हैं। विचित्र कुमार असिस्टेंट लीगल एण्ड डिफेन्स काउंसिल अधिवक्ता द्वारा बताया गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महिलाओं किस प्रकार साहयता कर सकती है। महिलाओं व गरीब व्यक्तियों को किस प्रकार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से निश्चल अधिवक्ता मिल सकते हैं।

दीपाली वन स्टॉप सेक्टर यूनिट-2 इन्चार्ज द्वारा बालिकाओं के जन्म संबन्धित महिलाओं छात्राओं की योजनाओं की जानकारी दी। शिविर में नीलम वर्मा (पी0एल0वी0), शैली गोला कैस वर्कर, सुधीर वशिष्ठ अधिवक्ता, रेखा गिरी अधिवक्ता, मुदुल अधिवक्ता, किर्ती सिंह, अमित कुमार, रोहित ठाकुर, सपना, सुजल, राहुल आदि उपस्थित रहे।

प्लेन क्रैश पीड़ितों को मिसेज एशिया विजयता सचदेवा जी ने दी श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया

वाराणसी- एक दर्दनाक विमान दुर्घटना में 242 लोगों के असमय निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए, मिसेज एशिया विजयता सचदेवा जी ने दी श्रद्धांजलि मृतकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त कीं। मिसेज एशिया विजयता सचदेवा जी ने इस दुःखद घड़ी को एक रज्जुशुक्रल समय बतया और कहा कि हम सभी को इन परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा, रउन विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों को हमारी हार्दिक श्रद्धांजलि। यह एक दुःखद घड़ी है, और इस मुश्किल समय में हम उनके परिवारों के साथ खड़े हैं। इस श्रद्धांजलि सभा में हम आपके साथ हैं। अहमदाबाद के सरदार



वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय

नगर के एक रियायशी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान में आग लग गई। जिससे शहर के ऊपर घने काले धुएं का गुबार छा गया। घटना के वीडियो में विमान को इमारतों के पीछे दुर्घटनाग्रस्त होते और आग का गोला बनते हुए दिखाया गया। लंदन के वैटविक हवाई अड्डे की यात्रा कर रहे अक-171 ने एयर ट्रेफिक कंट्रोल से संपर्क खोने से कुछ क्षण पहले टैरुअ कॉल जारी की थी। अधिकारी अभी भी बता रहे हैं कि आकलन कर रहे हैं और कारण की जांच कर रहे हैं। और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी जी को विमान हादसे में मृत घोषित कर दिया गया है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

एहसास महिला समिति द्वारा संचालित 12 दिवसीय समर कैम्प का हुआ समापन



वेलकम इंडिया

मोदीनगर, (अनिल वशिष्ठ)। एहसास महिला समिति द्वारा प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी समर कैम्प का आयोजन किया गया। बारह दिवसीय इस कैम्प का संचालन एहसास संस्था ने गोविन्दपुरी स्थित निष्काम भवन में किया। कैम्प में बागपत संसदीय क्षेत्र से लोकसभा सांसद डॉक्टर राजकुमार सांगवान, मोदीनगर विधायक डॉ मंजू शिवाच, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली, उपजिलाधिकारी मोदीनगर निखिल चतुर्वेदी सहित शहर के अनेक प्रतिष्ठित लोगों ने समय-समय पर आकर अपनी उपस्थिति में समर कैम्प का अवलोकन किया। कैम्प में आकर सैकड़ों प्रतिभाशाली बच्चों में समर कैम्प में सिखाये गये कदमों को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर एहसास संस्था ने पटक पहनाकर सभी अतिथियों का स्वागत किया। समर कैम्प की वर्किंग देखने के बाद सांसद राजकुमार सांगवान तथा विधायक मोदीनगर डॉ मंजू शिवाच ने बच्चों को उपहार भेंट

करते हुए अपने संबोधन में उन बच्चों को गार्स्टी देते हुए कहा कि यंहा पर आने वाले बच्चे आगे चलकर डॉक्टर, इंजीनियर बनें या चाहे किसी भी मुकाम पर पहुंच जायें लेकिन यह पाठशाला उन्हें सदा याद रहेगी। संस्था की संस्थापक एवं चेयरपर्सन अनुप्रीत कौर के अनुसार यह कैम्प बारह दिनों के लिए चलाया गया जिसमें पांच वर्ष से चौदह वर्ष तक के बच्चों को शामिल किया गया है संस्था की वरिष्ठ सदस्य रूचि विज के अनुसार एहसास संस्था द्वारा आयोजित इस कैम्प में योगा, ताईक्वांडो, आर्ट, अबेक्स, जूडो कराटे, पंजाबी कक्षा, नृत्य के साथ अनेक प्रकार की खेल प्रतियोगिता कराई गई। एहसास पदाधिकारियों के अनुसार समर कैम्प में प्रथम दिन में ही बच्चों में बेहद ही उत्साह देखने को मिला। इस कैम्प के सफल संचालन में एहसास की वरिष्ठ सदस्य रूचि विज, गुरमीत गुप्ता, रीता बखशी, साक्षी खुराना, पूजा शर्मा, आंचल खुराना, शुचि अरोड़ा, रिषभ चौहान, तारिका माटा, आदि का विशेष सहयोग रहा।

हाईटेशन लाइन के नीचे कोई शिविर न लगाएं: नगरायुक्त

वेलकम इंडिया

सहारनपुर। नगरायुक्त शिपू गिरि ने शिविर संचालकों से स्पष्ट कहा है कि किसी भी हाईटेशन लाइन के नीचे कोई शिविर न लगाए। उन्होंने बैरो मंदिर के निकट रेलवे लाइन क्रॉस करने का रास्ता भी पूरी तरह से बंद कराने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके लिए रेलवे और पुलिस विभाग को पत्र लिखने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि कांड़ यात्रा सुरक्षित और निर्विघ्न सम्पन्न करने के लिए जरूरी है कि हर तरह से सावधानी बरती जाए। नगरायुक्त आज निगम अधिकारियों के साथ अम्बाला रोड स्थित बड़ी नहर से देहरादून रोड स्थित कुम्हार हेड़ा तक कांड़ रुट (नगर निगम सीमा क्षेत्र) का निरीक्षण कर रहे थे। इस दौरान कांड़ यात्रा संघ के अध्यक्ष संजय पुट्टेला, दिनेश सेठी, रमन कपूर, रविकांत धीमान व राजीव चानना आदि शिविर संचालकों के साथ रहे। शिविर संचालकों के सुझाव पर उन्होंने अधिकारियों को



अवश्यक दिशा निर्देश दिए। अम्बाला रोड स्थित बड़ी नहर किनारे शिविर स्थल के निरीक्षण के दौरान शिविर संचालकों ने नगरायुक्त को बताया कि उक्त स्थल पर बड़ा शिविर लगाता है, लेकिन वर्षा की स्थिति में वहां काफी जलभराव हो जाता है। नगरायुक्त ने जलभराव के लिए पुख्ता

इंतजाम करने तथा साफ सफाई व अस्थायी खडंगा लगाकर शिविर स्थल को ऊंचा उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने इसी मार्ग पर तालाब के निकट एक स्थायी शौचालय निर्माण करने, डबनी वाला कब्रिस्तान के बाहर बने शौचालय पर निगम शौचालय का ग्लोसाइन बोर्ड

लगावने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कुतुबशेर के निकट निर्माणधीन शौचालय का निर्माण कांड़ यात्रा से पहले पूरा कराने पर जोर दिया। नगरायुक्त शिपू गिरि ने घण्टाघर बिजलीघर के निकट तथा देहरादून रोड पर क्लार्क होटल से कुम्हार हेड़ा तक लगने वाले सभी कांड़ शिविर स्थलों का जायजा लिया। घण्टाघर पर नाले की सफाई कराने तथा नाले का अतिक्रमण हटाने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर नगरायुक्त प्रदीप कुमार यादव व मृत्युंजय, मुख्य अभियंता निर्माण बी के सिंह, महाप्रबंधक जल पुरोहित कुमार, सहायक नगरायुक्त शिवराज सिंह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी प्रवीण शाह, निगम के पशु चिकित्सा कल्याण अधिकारी डॉ. संदीप मिश्रा, अधिशासी अधिकारी वी बी सिंह व आलोक श्रीवास्तव, प्रवर्तन दल प्रभारी कर्नल एच बी गुरंग, अतिक्रमण प्रभारी सुधीर शर्मा, जेडएसओ राजीव चौधरी व मुख्य सफाई निरीक्षक इंद्रपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

जवाहर लाल मैमोरियल गर्ल्स इण्टर कॉलेज में समर कैम्प का समापन

वेलकम इंडिया

मुरादनगर, (अनिल वशिष्ठ)। आयुध निर्माणी परिसर स्थित जवाहर लाल मैमोरियल गर्ल्स इण्टर कॉलेज में चल रहे समर कैम्प का समापन हो गया। इसमें छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का पक्ष चलाया। उत्तर प्रदेश शासन के आदेशानुसार समर कैम्प का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्या रेनु तैयार द्वारा समर कैम्प में स्वयं छात्राओं को बैडमिंटन एवं हॉकी का अध्यास भी कराया। इसके अतिरिक्त विद्यालय में एक पौध माँ के नाम पर छात्राओं एवं अध्यापिकाओं द्वारा वृक्षा रोपण किया गया। हिन्दी प्रवक्ता बिन्नी राणी द्वारा छात्राओं को हिन्दी के नये शब्दों तथा भाषा का सही ज्ञान सिखाया। गृह विज्ञान प्रवक्ता मंजू सिंह द्वारा छात्राओं को गृह शिल्प के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के सजावटी सामानों का निर्माण करना



सिखाया गया। कीडा अध्यापिका सरिता यादव द्वारा छात्राओं को प्रतिदिन योग अभ्यास कराने के साथ-साथ विभिन्न कीडा प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्राओं को प्रतियोगिता हेतु तैयार किया। अध्यापिका रंगोली द्वारा चित्रकला में छात्राओं को निरुण किया, अध्यापिका निशा द्वारा कुकिंग क्लास का आयोजन किया। अध्यापिका शिवानी द्वारा कम्प्यूटर

कक्षाओं का आयोजन भी किया गया। संस्था की अन्य अध्यापिकाओं द्वारा भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। संस्था में उम्मीद फाउंडेशन द्वारा छात्राओं को शीतल जल प्रदान करने के उद्देश्य से एक वाटर कूलर, आर.ओ. स्मार्ट बोर्ड आदि दान स्वरूप भेंट किये। छात्राओं द्वारा मनमोहक प्रस्तुति एवं राष्ट्रगान के साथ समर कैम्प का समापन किया गया।

लक्ष्मी नारायण मंदिर के बाद मोदीनगर के लिए ऐतिहासिक होगी आईफा आर्ट गैलरी-डा. अरुण त्यागी

वेलकम इंडिया

मोदीनगर, (अनिल वशिष्ठ)। आईफा आर्ट गैलरी के चौथे दिन मोदीनगर और आसपास के सभी स्कूल के प्रधानाचार्यों द्वारा बेहद खूबसूरत आर्ट गैलरी का शिखरों व विद्यार्थियों सहित भ्रमण किया गया छाया पब्लिक स्कूल के निदेशक प्रधानाचार्य डॉ. अरुण त्यागी ने कहा मोदी गैलरी के ऐतिहासिक परिसर में सेठ सतीश मोदी जी द्वारा एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की आर्ट गैलरी की सौगात देकर मोदीनगर को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाई है और मोदीनगर की जनता के प्रति अपना स्नेह, अपार प्यार दर्शाया है जिसका मोदीनगर की जनता सदैव आभारी रहेगी प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा निर्मित एवं प्रदर्शित पेंटिंग आसपास के प्रदेशों से आ रहे दर्शकों को बेहद प्रभावित कर रही हैं और दर्शक उनकी पेंटिंगों को काफी अच्छी कीमतों में खरीद रहे हैं जो कि इस गैलरी की



लोकप्रियता को दर्शाता है आईफा के मैनेजर डॉक्टर संघर्ष शर्मा अपनी पूरी टीम के साथ दिन रात एक करके आज आईफा गैलरी को शिखर पर पहुंचने में कामयाब हुए हैं मैं मोदीनगर व आसपास की जनता से अनुरोध करता हूँ कि वह अपने बच्चों को जरूर इस आर्ट गैलरी में बच्चों द्वारा निर्मित अंतरराष्ट्रीय स्तर के कार्यों को अवश्य दिखाएं जो उनके मानस पटल पर निश्चित रूप से अपनी एक अमिट छाप

छोड़ेंगे और उनको अच्छा करने के लिए बेहतर करने के लिए प्रेरित करेंगे इस अवसर पर मैनेजर डॉ. संघर्ष शर्मा वह प्रशासनिक अधिकारी भोतेंद्र कुमार द्वारा आए हुए सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया सभी प्रधानाचार्यों ने आर्ट गैलरी के उज्वल भविष्य को कामना की और विशेष रूप से सतीश मोदी जी व आभा मोदी जी को शहर को दी गई।

डीएसपी गोपाल सिंह का साथी खिलाड़ियों ने किया भव्य स्वागत



वेलकम इंडिया

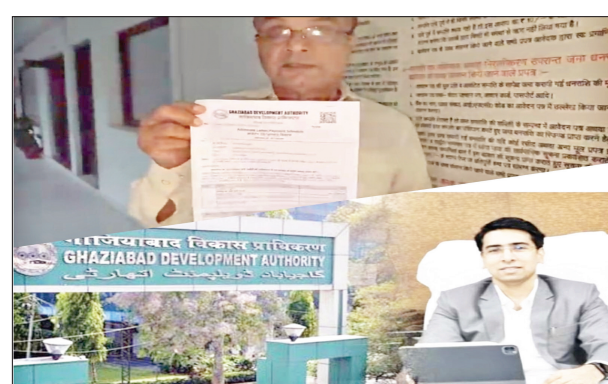
अलीगढ़/अतरौली पोस्टर चॉइस क्रिकेट ग्राउंड पर पहुंचे मुख्य अतिथि डी एस पी गोपाल सिंह का स्वागत पुष्प वर्षा फूलमाला पटक पहनाकर पूर्व साथी खिलाड़ियों एवं युवा खिलाड़ियों ने भव्य स्वागत किया पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी मनोज चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि अतरौली क्रिकेट क्लब की ओर से खेलेने वाले डी एस पी गोपाल सिंह क्षेत्र के गांव ग्वालरा के मूल निवासी हैं वर्तमान में जनपद गाजियाबाद में तैनात हैं श्री सिंह ने पुरानी यादें साथी खिलाड़ियों के साथ ताजा करते हुए युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि खेल में कोई बाईसाइड शॉर्टकट को कोई भी जगह नहीं है जो खिलाड़ी जुनून के साथ अधिक परिश्रम की मेहनत के सहारे आगे बढ़ते हैं वह आगे चलकर प्रदेश का देश का नाम रोशन करते हैं हमारे समय में इतनी

सुविधा खिलाड़ियों को नहीं मिलती थी जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने का एक प्रमुख आधार इच्छा शक्ति है चाहे वह खेल का मैदान हो या परीक्षा की तैयारी हो या जीवन का कोई विषय दूर जीवन के हर मोड़ पर इच्छा शक्ति अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है सफलता अधिक प्रयास करने से ही प्राप्त होती है श्री सिंह ने घोषणा की एक बड़े टूर्नामेंट अपने भाई क्रिकेट स्पर्धीय भानु प्रताप क्रिकेट मेमोरियल कप का आयोजन युवा खिलाड़ियों को शानदार प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा सरकार भी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए नौकरियों में वरीयता दे रही है सभी पुलिस फोर्स में खिलाड़ियों की अलग भर्ती होती है इस अवसर पर पूर्व खिलाड़ी कोच रिजवान खान खुर्शीद आलम मोहसिन खान राकेश गौतम मोहसिन खाने दीपू सक्सेना अरुण राज डॉ इकबाल वरुण चौधरी आदि ने स्वागत किया

जीडीए की पहल पोर्टल की सुविधा पर यूजर बोले थैक्यू वीसी साहब

वेलकम इंडिया

इंद्रेश शर्मा, गाजियाबाद। जीडीए वीसी की सोच दूरदर्शी है जिसका उदाहरण इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने प्राधिकरण में आने वाली जनता की परेशानियों को समझा और पहल पोर्टल वेबसाइट को तैयार करवाया गया। इस पहल पोर्टल की सुविधा को देखकर एक यूजर ने कहा थैक्यू वीसी साहब। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने प्राधिकरण के द्वारा हाल में लांच किए पहल पोर्टल से प्राधिकरण की खासकर व्यवसायिक अनुभाग की उन तमाम संपत्तियों से जुड़ी फाइलों को अपलोड करने की प्रक्रिया की एक



बैठक के माध्यम से समीक्षा की, जिनमें आवंटियों पर किरतों के तौर पर राशि बकाया है। इस दौरान सामने लाया गया कि फाइलों को अपलोड करने की

जीडीए उपाध्यक्ष ने फाइलों को अपलोड करने की धीमी गति को लेकर नाराजगी जतायी। अधीनस्थ अधिकारियों को दिशा निर्देशित किया कि व्यवसायिक विभाग से जुड़ी फाइलों को पहल पोर्टल पर अपलोड करने की प्रक्रिया में तेजी लायी जाए। वह खुद नियमित तौर पर इसकी समीक्षा करेंगे। इस कार्य में किसी भी तरह की कोताही बर्दास्त नहीं की जाएगी। पहल पोर्टल से व्यवसायिक संपत्तियों को जोड़ने के काम में लायी जाए तेजी-अतुल वत्स धीमी प्रक्रिया को लेकर अधीनस्थ अनुभाग की लगभग 1500 फाइलों को अपलोड करने का लक्ष्य दिया गया था, मौजूदा समय में 1365 फाइलें पेंटिंग हैं। प्रक्रिया के आरंभ में व्यवसायिक अनुभाग की लगभग 1500 फाइलों को अपलोड करने का लक्ष्य दिया गया था, मौजूदा समय में 1365 फाइलें पेंटिंग हैं।

डॉ ए. पी. जे अब्दुल कलाम की प्रतिमा की स्थापना कराए जाने की मांग



वेलकम इंडिया

मोदीनगर, (अनिल वशिष्ठ)। मातृभूमि सेवा संघ के पदाधिकारियों ने आयुध निर्माणी द्वार पर भारत रत्न डॉ ए. पी. जे अब्दुल कलाम की प्रतिमा स्थापना कराए जाने के सम्बन्ध में नगर पालिका परिषद मुरादनगर अधिशासी अधिकारी डॉ शैलेन्द्र कुमार सिंह और चेयरमैन मुरादनगर को ज्ञापन सौंपा एवं पटक पहनाकर और संघ

का स्मृति चिन्ह भेंट किया, मातृभूमि सेवा संघ के पदाधिकारियों ने कहा की डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम सिर्फ देश के राष्ट्रपति ही नहीं बल्कि महान वैज्ञानिक और उच्च शिक्षाविद भी रहे हैं, उन्होंने देश को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर और देश को बेलरिक्ट मिसाइल से सुसज्जित कर सशक्त बनाने का कार्य किया है, जिसका प्रदर्शन विश्वजगत में पाकिस्तान में किए ऑपरेशन सिन्दूर में देखा है।

